Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com
|| ओ३म् ||
दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय
आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Brief Report

Brief Report of Project / Field/ Internship Work (1.3.3)

Name of the Project Undertaken	"State ki report ”	
Academic Session	2024-25	
Organizing Department/ Committee	Major political science (VSC I Year)	
Total Number of Students Participated in the Project	19	
Brief Report	The Project entitled - " State ki report" undertaken by the Department of political science during the session of 2024-25under the guidance of Internal Quality Assurance Cell of the Institution. Total 10 students participated in the project activity and successfully completed the project. The completion certificate has been given to the students. All students found it very interesting to learn through the experiential learning. They enjoyed the project work.	
Criterion :1	Metric no-1.3.3	
Signature of Co-Ordinator	Signature & Stamp of IQAC Co-Ordinator	Signature of & Stamp of Principal

Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

|| ओ३म् ||

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विदया सभा दवारा संचालित

(Regd. under Societies Act. XXI)

जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Students Information

S.N.	Name of Student	Program	Class
01.	Muskan Tembhurne	B. A	I year
02.	Tanushri Jambulkar	B. A	I year
03.	Annu Bawane	B. A	I year
O4.	Deveshwari Krupate	B. A	I year
05.	Deepa upadhyay	B. A	I year
06.	Mahak Meshram	B. A	I year
07.	Kudasiya Kausar Ansari	B. A	I year
08.	Ruchika Umathe	B. A	I year
09.	Anisha Mishram	B. A	I year
10.	Raman Vikey	B. A	I year
11.	Sanjana Ahirwar	B. A	I year
12.	Shenhal Kori	B. A	I year
13.	Sakshi Sahare	B. A	I year
14.	Mansvi Patil	B. A	I year
15.	Shilpa Patil	B. A	I year
16.	Taniya Shahu	B. A	I year
17.	Pratikish Dandale	B. A	I year
18.	Vanshika S Salame	B. A	I year
19.	Mahak Sumundre	B. A	I year

Front Page of Project

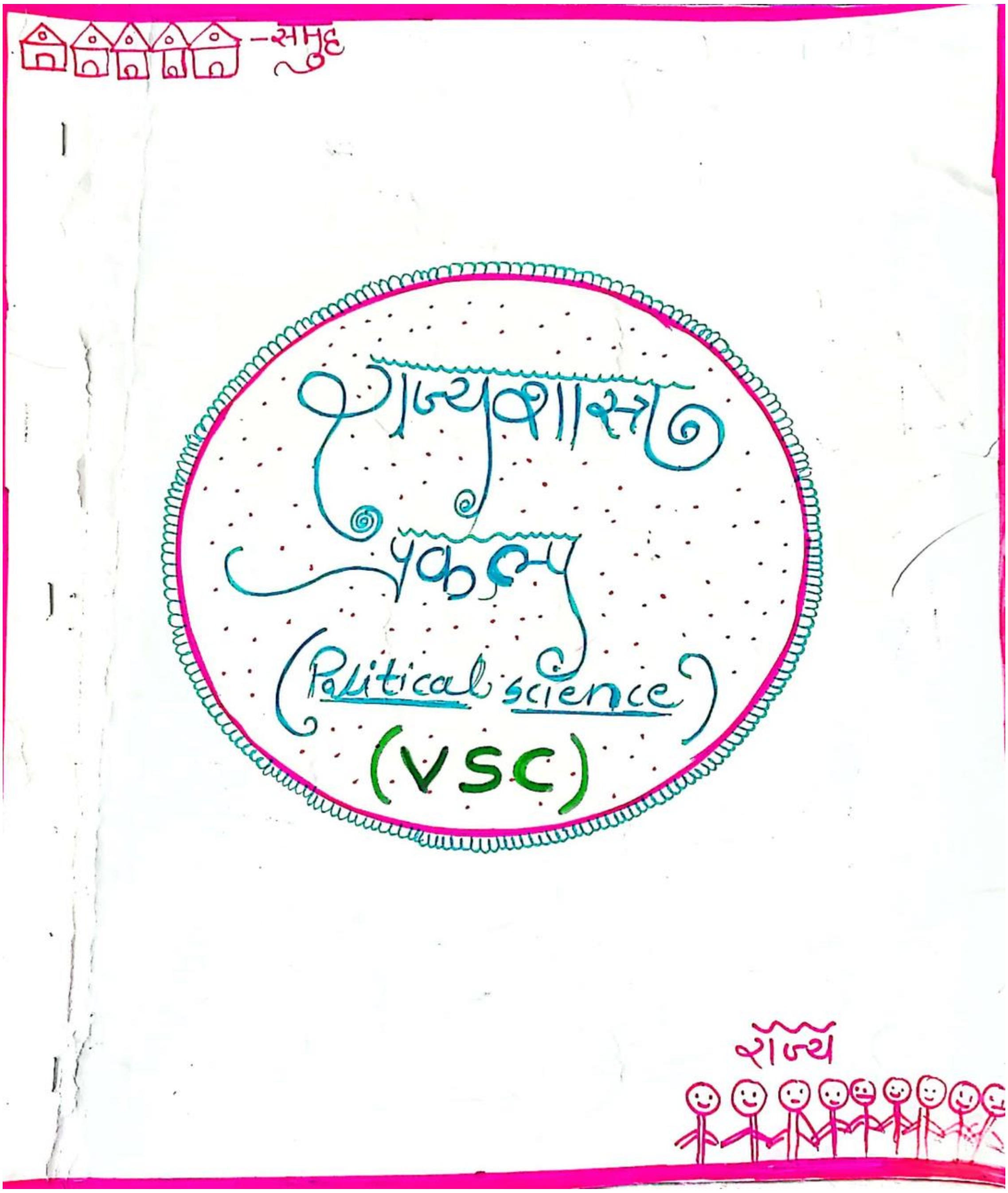

ARYA VIDYA SABHA'S

DAYANAND ARYA KANYA MAHAVIDYALAYA

Jaripatka, Nagpur.

'Political Science project'

Organised By

Department of project

CERTIFICATE

This is to certify that project work in the subject political science : Major VSC entitles Pol. Sci.State ki reporthsa been successfully completed by ku. Muskan Tembhurne of B.A I Year during the Academic session 2024-25 Hence the certificate is awarded to her.

Co-Ordinator
Dr. – Babita Thool
Dept. of Pol. Sci

Principal
Dr. Sujata Chakravorty
DAKM, Nagpur

Project Copy

Page 1 Date :

College Name :- Dayanand Arya Kanya Mahavidyal Jaripataka Nagpur.

Subject :- Political Science

Topic :- State

Class :- BA-1st Year

Session :- 2024-25

Heading : project Work

Project Submitted by :-

Ku. Muskan Tembhurne

Teacher's Signature

अनुक्रमणिका (Index)

	घटक का नाम	पृष्ठ क्रमांक
1]	विषय का चुनाव	3
2]	उद्देश्य	4
3]	प्रस्तावना	5
4]	अर्थ और परिभाषा	6
5]	निष्कर्ष	7
6]	संदर्भ	8

Page 3 Date :

विषय का चुनाव :-

मैंने 'राज्य' यह विषय इस लिए चुना। क्योंकि हम राजनीति विज्ञान के अध्ययन का केंद्र-बिन्दु राज्य है। इस विषय में राज्य के बारे में सब कुछ जानने का प्रयास किया जाता है।

हम जानते है कि, राजनीति विज्ञान राज्य का अध्ययन है। अतः स्वाभाविक रूप में, राज्य राज्य का विस्तृत अध्ययन करना उपयुक्त होगा ताकि हम इसके अनिवार्य तत्वों स्वभाव, कार्यों एवं उत्पत्ति के बारे में विभिन्न सिद्धान्तों को देख सके, हिन्दी में राज्य का प्रयोग अनेक अर्थों में होता है।

स्वतंत्र भारत के संविधान के अनुसार उत्तर प्रदेश, बिहार आदि स्थायी राज्य है।

लेकिन यह आवश्यक है कि राज्य की संकल्पना और अन्य संज्ञा के अध्ययन पर पुनः ध्यान दिया जाए क्योंकि यह मूल विषय-वस्तु है।

Ajanta

Teacher's Signature

उद्देश्य :-

जॉन लॉक के अनुसार, "राज्य का उद्देश्य "मानव हित है।"

"बेन्थम के मतानुसार 'राज्य का कार्य सार्वजनिक कल्याण है"।

"ग्रीन के अनुसार "ऐसा वातावरण बनाए रखना है जिसमें सभी प्रजाजन सर्वोच्च एवं आत्मनिर्भर जीवन बिता सकें"।

रिची के अनुसार "राज्य ऐसी परिस्थितियों का निर्माण करना है जिससे व्यक्ति द्वारा सर्वोत्तम जीवन प्राप्त किया जा सके।

राज्य का कार्य व्यक्ति का हित साधन, राष्ट्र का हित साधन है और मानव सभ्यता का विकास करना है।

प्रस्तावना :- समाज मे अनेक प्रकार की संस्थाएं होती है। कुछ संस्थाओं की निर्मिती प्राकृतिक रूप से होती है तो कुछ संस्थाओं की निर्मिती मनुष्य ने तत्कालीन परिस्थिती के आधार पर की है। मनुष्य ने अपनी आवश्यकताओं की पूर्ती के लिए राज्य इस संस्था का निर्माण किया है। समाज मे अनेक संस्थाएं होती है। लेकिन राज्य संस्था एक सर्वश्रेष्ठ संस्था है। अरस्तु के अनुसार 'राज्य की उत्पत्ती मनुष्य जीवन की पूर्ती करने के लिए की गई है। तथा श्रेष्ठ जीवन के प्राप्ती तक अस्तित्व मे रहती है। इस प्रकार मनुष्य के जन विकास के लिए राज्य की आवश्यकता है। राज्य के बिना कोई भी व्यक्ती अपना विकास नहीं कर पायेगा। राज्य यह सर्व व्यापक संस्था होकर राज्य के सिमा क्षेत्र मे रहने वाले सभी व्यक्तियों और वस्तुओं पर राज्य का नियंत्रण होता है।

अर्थ और परिभाषा -

[i] राज्य का अर्थ :-
राज्य के अर्थ के संबंध मे अलग-अलग विभागों मे मतभेद है। कुछ विभाग राज्य को गर्व पर आधारित संगठन मानते है। तो कोई विद्वान राज्य को विश्व का अंग मानते है। तो कुछ राज्य मजदूर वर्ग का शोषण और पूंजीवादी वर्ग के हितों की रक्षा करने वाली संस्था मानते है।

(ii) राज्य की परिभाषा :-

1] **अरस्तू के अनुसार** :- संपूर्ण और समृद्ध जीवन जीने के लिए परिवार और गांव के आधार पर निर्माण हुआ संगठन राज्य है।

2] **वुडो विल्सन** :- एक निश्चित भूप्रदेश मे कानून की निर्मीती के लिए संगठित समूह राज्य है।

3] **प्रो गैटल** :- एक विशेष भू-प्रदेश पर कम अधिक जनसंख्या मे कायम रूप से प्रयास करने बाह्य सत्ता के नियंत्रण के पूर्ण रूप से स्वतंत्र रहने वाला और सरकार की आज्ञाओं का स्वाभाविक रूप से पालन करने वाला समाज राज्य है।

राज्य का स्वरूप

स्वरूप ->

① राज्य यह एक व्यापक संगठन है -

आपनी विभिन्न आवश्यकताओ की पुर्ती करने के लिए मनुष्य, ने विभिन्न संस्थाओ का निर्माण किया है। उसमे राज्य यह एक महत्वपूर्ण संस्था है। राजनीतिक आवश्यकताओ की पुर्ती करने के लिए राज्य की निर्मिती की गई। श्रेष्ठ जीवन की प्राप्ती के लिए राज्य यह एक संस्था आवश्यक है। राज्य मे होने के कारण राज्य मे, अशांती और अराजकता निर्माण हो सकती है। इसलिए राज्य यह अनिवार्य होने के कारण राज्य यह, एक सर्वव्यापक और आवश्यक संगठन है।

② राज्य यह एक मनुष्य निर्मित संस्था है।

राज्य की निर्मिती कब और कैसे हुई इस संदर्भ मे विद्वानो मे मत है की कई विद्वान इसे एक प्राकृतिक संस्था मानते है, तो कई विद्वान राज्य यह मनुष्य निर्मित न होकर ईश्वर निर्मित संस्था है। परंतु व्यक्तिवादी अनुसार राज्य यह एक मनुष्यनिर्मित संस्था है।

निष्कर्ष :-

निष्कर्ष जितने सकारात्मक महत्वपूर्ण होते हैं वैसे ही नकारात्मक भी महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए यह स्पष्ट है की शासन की समस्या किसी भी तरह से आर्थिक विकास के स्तर से संबंधित नहीं है। बिहार भारत का सबसे गरीब और सबसे अशांत राज्य है लेकिन अगर कोई यह निष्कर्ष निकालने के लिए प्रलोभित हो कि समृद्धि राजनीतिक स्थिरता पैदा करती है। स्पष्ट रूप से विकास के स्तरों में छोटे-छोटे बदलाव भारत में प्राधिकार के प्रयोग की प्रक्रिया में कोई विचार अंतर्दृष्टि प्रदान नहीं करते है।